www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 114 | जौनपुर सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सीएम और राज्यपाल ने गोवा नाइट क्लब हादसे पर शोक व्यक्त किया

आंध्र प्रदेश, एजेंसी। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग में हुई जानमाल की हानि पर रविवार को शोक व्यक्त किया। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''उत्तरी गोवा के अरपोरा में हुई दुखद आग की घटना से बहुत दुखी हूं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि ऐसी घटनाएं 'बेहद दुखद' हैं। राज्यपाल नजीर ने भी इस हादसे को 'हृदय विदारक' बताते हुए कहा कि घटना से कई परिवारों को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने 'लोकभवन' से जारी बयान में पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उत्तरी गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार आधी रात के बाद भीषण आग लग जाने से 25 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए।

इंडिगो संकट पर अखिलेश यादव का केंद्र सरकार पर हमला

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को इंडिगो एयरलाइन में चल रहे संकट को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है।

इलेक्टोरल बॉन्ड के कारण कार्रवाई नहीं

पीटीआई न्यूज एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में, अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाया कि एयरलाइन पर इलेक्टोरल बॉन्ड के चंदे की वजह से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा, श्सरकार बिना किसी वजह के इंडिगो पर दबाव नहीं डाल रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इंडिगो ने उन्हें इलेक्टोरल बॉन्ड दिए थे।

पूंजीपति सरकार पर हावी हो रहे हैं

यादव ने आगे कहा कि इंडिगो के पास तैयारी करने के लिए काफी समय था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने इस स्थिति को देश में पूंजीपतियों के सरकार पर हावी होने का उदाहरण बताया। उन्होंने जोर देकर कहा, यह पहला साफ उदाहरण है जो दिखाता है कि पूंजीवादी ताकतें सरकार पर हावी हो रही हैं और सरकार के पास कोई रास्ता नहीं है।

सीएम सावंत ने गोवा नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के दिए आदेश

पणजी, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने अर्पोरा में नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के बाद जांच का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्लब के प्रबंधक और अन्य लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि क्लब के मालिकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अग्निकांड देर रात बर्च बाय रोमियो लेन क्लब में हुआ। अर्पोरा गांव में स्थित यह लोकप्रिय स्थल राज्य की राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर है और पिछले साल खोला गया था। मुख्यमंत्री सावंत ने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। गोवा के पर्यटन इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी आग की घटना हुई है। 25 लोगों की मौत हुई। मैं रात डेढ़–दो बजे घटनास्थल पर पहुंचा, स्थानीय विधायक माइकल लोबो मेरे साथ थे। सभी अधिकारी भी वहां मौजूद थे। आग को आधे घंटे के भीतर काबू में किया गया। लेकिन जिस क्लब में यह घटना हुई, कुछ लोग वहां से बाहर निकल पाए, लेकिन कुछ नहीं निकल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की दम घुटने से मौत हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चार लोग पर्यटक थे और बाकी क्लब के कर्मचारी थे। मैं उनके मौत पर शोक व्यक्त करता हूं और उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट करता हूं। मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, सरकार की ओर से मृतकों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। अस्पताल में भर्ती छह लोगों को गोवा मेडिकल कॉलेज में सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। मैंने कॉलेज के डीन से बातचीत की है। हमने इस घटना की मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया है। जांच में यह देखा जाएगा कि क्लब ने कौन–कौन सी अनुमतियां हासिल की थी और उन्हें किसने प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देखा जाएगा कि आग सुरक्षा मानक और भवन निर्माण नियमों का पालन किया गया या नहीं। क्लब के मालिकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। प्रबंधक और अन्य लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जो भी दोषी पाया जाएगा।

उपराष्ट्रपतिने गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में हुई मौतों पर शोक जताया

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन नेगोवा नाइट क्लब अग्निकांड में हुई मौतों पर रविवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस घटना से बहुत दुखी हैं। उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित लोकप्रिय नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार देर रात आग लग गई, जिसमें चार पर्यटकों और 14 कर्मचारियों सहित कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '' गोवा के अरपोरा में हुई आग की दुखद घटना में हुई जानमाल की हानि से मैं बहुत दुखी हूं। जिन परिवारों ने इस घटना में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। इस अत्यंत दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।'' उपराष्ट्रपति ने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

धीरे–धीरे सामान्य हो रहे हालात, लगभग 1650 उड़ानों का संचालन...

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो अपने संचालन को तेजी से सामान्य करने में जुटी है। हाल ही में आए परिचालन संकट के बाद कंपनी ने स्थिति को सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी क्रम में कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि रविवार को एयरलाइन करीब 1,650 उड़ानें संचालित करेगी। एल्बर्स ने कहा कि इंडिगो की टीम चरणबद्ध तरीके से सेवाओं को बहाल कर रही है और यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए हर स्तर पर काम जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले दिनों में उड़ानों का संचालन पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। एल्बर्स ने आगे कहा स्टेप बाय स्टेप, वी आर गेटिंग बैक। एयरलाइन ने हाल के दिनों में पायलटों की कमी, शेड्यूल में बाधा और यात्रियों की बढ़ी शिकायतों जैसी चुनौतियों का सामना किया है। हालांकि, प्रबंधन का दावा है कि अब स्थिति नियंत्रण में है और फ्लाइट्स की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। इसी बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इंडिगो ने शनिवार तक देशभर में यात्रियों के 3,000 बैग वापस पहुंचा दिए हैं। हाल में हुई उड़ान बाधाओं के बाद यात्रियों का सामान वापस देने की प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके साथ ही मंत्रालय ने बताया कि इंडिगो एयरलाइंस ने रद्द या बहुत देर से उड़ने वाली फ्लाइट्स के यात्रियों को अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड दे दिया है। मंत्रालय का कहना है कि एयरलाइन यात्रियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल कर रही है। इससे पहले शनिवार को सरकार ने इंडिगो को सख्त निर्देश देते हुए कहा था कि रद्द हुई फ्लाइट्स का रिफंड रविवार शाम तक पूरा किया जाए और यात्रियों से अलग हुए बैग अगले दो दिनों में वापस पहुंचा दिए जाएं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दोहराया कि किसी भी यात्री से री–शेड्यूलिंग के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

भारत का रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ से बढ़कर 1.51 लाख करोड़

लेह, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत रक्षा निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है। देश अब आयात–निर्भर राष्ट्र से उभरते हुए रक्षा उत्पादक और निर्यातक के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 में जहां देश का रक्षा उत्पादन मात्र 46,000 करोड़ रुपये था, वह आज बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसी अवधि में रक्षा निर्यात भी 1,000 करोड़ से बढ़कर लगभग 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।राजनाथ सिंह लेह में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन की 125 महत्वपूर्ण परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इन परियोजनाओं में 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य कार्य शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 5,000 करोड़ रुपये बताई गई है। ये परियोजनाएं लद्दाख, जम्मू–कश्मीर तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम जैसे राज्यों में फैली हुई हैं। रक्षा मंत्री ने बीआरओ की तकनीकी क्षमता, तेज निर्माण और नवाचार की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों के इस्तेमाल से सीमा क्षेत्रों में परियोजनाओं की गति पहले से कहीं अधिक तेज हुई है। उन्होंने विशेष रूप से क्लास–70 मॉड्यूलर ब्रिज का जिक्र किया, जिन्हें भारतीय जहाज निर्माता गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स के सहयोग से पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाया गया है। राजनाथ सिंह के अनुसार ये पुल भारत की इंजीनियरिंग आत्मनिर्भरता का मजबूत उदाहरण हैं, जो कई अग्रिम इलाकों में सफलता के साथ स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024–25 में बीआरओ ने 16,690 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खर्च राशि दर्ज की है। अगले वित्त वर्ष 2025–26 के लिए बीआरओ को 18,700 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया है।

भारत में रहना शेख हसीना का निजी फैसला - जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश सरकार की तरफ से अपनी पूर्व पीएम शेख हसीना को भारत से ढाका प्रत्यर्पित करने की मांग की जा रही है। अब इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा भारत में रहना शेख हसीना का निजी फैसला है और इस फैसले की वजह बांग्लादेश के हालात हैं। शेख हसीना को बीते महीने ही बांग्लादेश में मानवता के खिलाफ अपराध के दोष में मौत की सजा सुनाई गई है। भारत सरकार ने अभी तक बांग्लादेश सरकार की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया है। सम्मेलन के दौरान जब विदेश मंत्री से पूछा गया कि क्या शेख हसीना जब तक चाहें, तब तक भारत में रह सकती हैं? इसके जवाब में विदेश मंत्री ने कहा, श्यह एक अलग सवाल था, वे यहां कुछ खास परिस्थितियों के चलते आईं, लेकिन उन्हें ही ये तय करना होगा।श विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि भारत, बांग्लादेश का शुभचिंतक है। बांग्लादेश और भारत के रिश्तों पर भारतीय विदेश मंत्री ने कहा बांग्लादेश के मौजूदा लीडरशिप ने पिछले चुनावों को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि अगर मुद्दा चुनाव था, तो सबसे पहले निष्पक्ष चुनाव कराए जाने चाहिए। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत बांग्लादेश में स्थिरता और लोकतांत्रिक मान्यता चाहता है। जयशंकर ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जो भी निकलेगा, वह भारत के साथ संबंधों के बारे में श्संतुलित और परिपक्व नजरिया दिखाएगा, जिससे हालात बेहतर होने की संभावना है। गौरतलब है कि शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में थोड़ी खटास आई है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से अमेरिका के साथ संबंधों पर असर के सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा , हमने हमेशा साफ कहा है कि हमारे कई संबंध हैं और हमारे पास विकल्पों की आजादी है। अभी हमारे लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अहम है। पुतिन के दौरे से भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत मुश्किल होने की बात को विदेश मंत्री ने खारिज कर दिया। पुतिन के भारत दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, भारत जैसे बड़े और तेजी से उभरते देश के लिए जरूरी है।

आईपीएल की मेजबानी जारी रखेगा चिन्नास्वामी स्टेडियम – शिवकुमार

कर्नाटक, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में आईपीएल मैचों की मेजबानी करता रहेगा। यह घोषणा चार जून को स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद कर्नाटक में आईपीएल की मेजबानी को लेकर संदेह के बीच की गई है। भगदड़ उस समय हुई थी जब आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ एकत्र हुई थी। शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना वोट दिया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भविष्य में एक नया बड़ा स्टेडियम भी बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं क्रिकेट प्रेमी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक में हुई दुर्घटना दोबारा न हो और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाएं जिससे बेंगलुरु का सम्मान बना रहे। उन्होंने कहा कि केएससीए कानून के दायरे में स्टेडियम का संचालन करेगा तथा भीड़ प्रबंधन के लिए उचित उपाय किए जाएंगे। शिवकुमार ने कहा, हम आईपीएल को कहीं और स्थानांतरित नहीं करेंगे। आईपीएल यहीं चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा। यह बेंगलुरु और कर्नाटक का गौरव है, जिसे हम बरकरार रखेंगे। महिलाओं के मैचों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार उनके लिए भी अवसर सुनिश्चित करेगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर फिर से सुनवाई करेगा। इस याचिका में लेह के क्लाइमेट एक्टिविस्ट की हिरासत को चुनौती दी गई है। पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पिटीशनर की ओर से हाल ही में फाइल किए गए जवाब का जवाब देने के लिए और समय मांगा था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की बेंच ने उनकी बात को मानते हुए केस को आगे के लिए टाल दिया था। इस मामले की अगली सुनवाई अब 8 दिसंबर को होगी। कोर्ट ने पहले अंगमो को अपनी पिटीशन में बदलाव करने की इजाजत दी थी, जिसमें वांगचुक की हिरासत को गैर–कानूनी और श्उनके फंडामेंटल राइट्स का उल्लंघन करने वाली एक मनमानी कार्रवाई बताया गया था और केंद्र, यूटी एडमिनिस्ट्रेशन और जेल अथॉरिटीज को अपने एडिशनल जवाब फाइल करने का निर्देश दिया था। 29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को एक हफ्ते के अंदर याचिका में संशोधन करके नई याचिका दाखिल करने की इजाजत है। इसके बाद सरकार को 10 दिन में नया जवाब (काउंटर) दाखिल करना होगा। उसके बाद अगर जवाब में कुछ और कहना हो तो एक हफ्ते में जवाब दाखिल किया जा सकता है। केस अब 24 नवंबर को सुनवाई के लिए लगेगा। अपनी नई पिटीशन में अंगमो ने कहा है कि डिटेंशन ऑर्डर बिना सोचे–समझे पास कर दिया गया था और एनएसए के तहत जरूरी प्रोसीजरल सेफगार्ड्स का पालन नहीं किया गया था।

गोपाल इटालिया पर हमले के बाद केजरीवाल का गुजरात दौरा

राजकोट, एजेंसी। आम आदमी पार्टी विधायक गोपाल इटालिया पर हुए जूता फेंकने के हमले ने गुजरात की राजनीति को हिला दिया है। भीड़ के बीच एक कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा किया गया यह हमला न सिर्फ इटालिया की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत बना, बल्कि राज्य की कानून–व्यवस्था पर भी नए सवाल खड़े कर गया। घटना के तुरंत बाद लोगों का समर्थन इटालिया के साथ खड़ा दिखाई दिया सोशल मीडिया हो या स्थानीय इलाके, हर जगह उनके संयम और सरल स्वभाव की चर्चा रही। इसी माहौल में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार शाम अचानक गुजरात पहुंचे हैं, जिससे उनका तीन दिवसीय दौरा और भी महत्वपूर्ण बन गया है। यह दौरा औपचारिक कार्यक्रम की तरह नहीं, बल्कि हालात की गंभीरता को समझते हुए तुरंत लिया गया निर्णय है। केजरीवाल सबसे पहले उन किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं के परिवारों से मिलेंगे, जिन्हें पहले सरकारी कार्रवाई के नाम पर जेल भेजा गया था और जो अब जमानत पर रिहा हुए हैं। यह संदेश साफ है कि आम आदमी पार्टी अपने लोगों के दुख–दर्द में सबसे आगे खड़ी होती है।

गुजरात में केजरीवाल की इस यात्रा को लेकर जनभावना बेहद सकारात्मक है। पार्टी के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग इसे सहमति और सहारा देने वाला दौरा कह रहे हैं। इटालिया पर हमला होने के बाद जिस तरह आम लोगों ने उनकी हिमायत की है, उसने यह भी दिखाया है कि आम आदमी पार्टी का जनाधार लगातार गहरा रहा है। राज्य में विपक्ष के परंपरागत दल जहां एक दूसरे पर आरोपों में उलझे दिखते हैं, वहीं केजरीवाल का यह दौरा जमीन पर जुड़े राजनीतिक नेतृत्व का उदाहरण बन रहा है। हमले की निंदा हर जगह हो रही है, लेकिन माहौल को विभाजित करने के बजाय पार्टी ने शांति और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का संदेश दिया है।

संपादकीय

नए नियमों का पालन न के बराबर

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने भारतीय यात्रियों को पिछले एक सप्ताह में जितना अधिक परेशान किया, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। इंडिगो के यात्रियों को इसलिए परेशान होना पड़ा, क्योंकि उसने सुरक्षित विमान यात्रा के लिए नागरिक विमानों के संचालन की नियामक संस्था डीजीसीए के नए नियमों का पालन करने की कोई तैयारी नहीं कर रखी थी। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत बनाए गए थे और सभी एयरलाइंस को उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया था। इन नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पायलट एक निश्चित समय से अधिक ड्यूटी न करें। सुरक्षित विमान यात्रा के लिए यह आवश्यक होता है कि पायलट लंबी ड्यूटी के चलते थकान का शिकार न हों। पायलटों को थकान से बचाने के लिए बनाए गए नियमों का पालन करने के लिए जहां एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयरलाइन ने पर्याप्त व्यवस्था की, वहीं इंडिगो ने ऐसा कुछ करना आवश्यक नहीं समझा और वह भी तब, जब नए नियम लागू करने की समयसीमा बढ़ाई गई थी। इससे यही पता चलता है कि इंडिगो नए नियम लागू करने के लिए तैयार ही नहीं थी। डीजीसीए को इसकी निगरानी करनी चाहिए थी कि इंडिगो समेत सभी एयरलाइंस नए नियमों का पालन करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था कर रही हैं या नहीं? उसे इंडिगो पर इसलिए अधिक निगाह रखनी चाहिए थी, क्योंकि वह घरेलू विमान सेवा की सबसे बड़ी एयरलाइन है और उसकी हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक है। जहां डीजीसीए ने अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं किया, वहीं इंडिगो ने भी उसे यह सूचित करना आवश्यक नहीं समझा कि वह नए नियमों का पालन करने की स्थिति में नहीं है या फिर उसे पायलट और अन्य कर्मचारी भर्ती करने के लिए कुछ और मोहलत दी जाए। चूंकि डीजीसीए ने सजगता नहीं बरती, इसलिए जब 1 दिसंबर से नए नियम लागू हुए तो इंडिगो की उड़ानें या तो रद होने लगीं या फिर विलंब से चलने लगीं। चूंकि रद और विलंब से चलने वाली उड़ानों की संख्या सैकड़ों में पहुंचने लगी, इसलिए परेशान होने वाले यात्रियों की संख्या भी बढ़ने लगी। बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद होने से हवाई किराया भी महंगा होने लगा। हजारों विमान यात्री केवल समय पर अपने गंतव्य तक ही नहीं पहुंच सके, बल्कि उन्हें अतिरिक्त किराया भी देना पड़ा। इसका केवल आकलन ही नहीं किया जाना चाहिए कि डीजीसीए और इंडिगो की ढिलाई के कारण लोगों के समय और धन की कितनी बर्बादी हुई, बल्कि उसका भुगतान भी किया जाना चाहिए। इसके लिए किसी को अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि इंडिगो केवल खेद जताकर कर्तव्य की इतिश्री कर ले। यदि उसे यात्रियों के समय और धन की बर्बादी की भरपाई के लिए विवश नहीं किया गया तो उसका रवैया सुधारना कठिन ही है। इंडिगो को किसी न किसी स्तर पर दंड का भागीदार इसलिए भी बनाया जाना चाहिए, क्योंकि उसने एक तरह से जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां पैदा कीं, जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ा और साथ ही डीजीसीए को नए नियम लागू करने के अपने ऐसे फैसले को वापस लेना पड़ा, जो विमान यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक था।

रक्षा खरीददार से रक्षा साझेदार बन गया भारत

नीरज

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा ने ऊर्जा, रक्षा, परमाणु सहयोग, आतंकवाद–रोधी रणनीति और आर्थिक साझेदारी जैसे अनेक क्षेत्रों में नई दिशा दी है। यह यात्रा उस समय हुई जब अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकऑइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे और भारत पर रूसी तेल आयात कम करने का दबाव बढ़ा रहा था। इस पृष्ठभूमि में पुतिन का संदेश स्पष्ट था कि रूस भारत के लिए ऊर्जा का "विश्वसनीय स्रोत" बना हुआ है और बना रहेगा।

हम आपको बता दें कि पीएम मोदी और पुतिन की संयुक्त प्रेस वार्ता में रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस भारत की तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आवश्यक तेल, गैस और कोयले की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और गैस भंडार वाला देश है और पुतिन ने यह भी संकेत दिया कि पारंपरिक ऊर्जा से आगे बढ़कर दोनों देश परमाणु ऊर्जा में भी सहयोग बढ़ाएँगे जिसमें छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट तथा चिकित्सा एवं कृषि क्षेत्र में परमाणु तकनीकों का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, भारत और रूस ने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की प्रगति की समीक्षा की और भारत में एक दूसरे परमाणु संयंत्र स्थल पर चर्चा आगे बढ़ाई। यह भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में निर्णायक योगदान देगा। इसके अलावा, इस यात्रा की सबसे रणनीतिक उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में संयुक्त निर्माण को बढ़ावा देना रही। रूस ने भारत में ही अपने हथियारों और सैन्य प्लेटफॉर्म्स के स्पेयर पार्ट्स और उपकरणों का उत्पादन करने पर सहमति दी। दोनों पक्षों ने उन्नत रक्षा प्रणाली के संयुक्त सह–विकास और सह–उत्पादन को पुनर्जीवित करने का निर्णय भी लिया। भारतीय सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए संयुक्त उद्यमों से तीसरे देशों को निर्यात की संभावना भी टटोली गई। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब रूस ने स्पष्ट रूप से डांम पद प्दकपं के तहत अपने रक्षा परिवेश को भारत में शिफ्ट करने की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता जताई है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में काफी समय लगता है, जिससे देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का

रखरखाव प्रभावित होता है। इस संबंध में भारत और रूस द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से 'मेक–इन–इंडिया' कार्यक्रम के तहत रूसी हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए पुर्जों, घटकों और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमत हुए।'' संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्ष भारतीय सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने तथा पारस्परिक रूप से मित्रवत तीसरे देशों को निर्यात करने पर भी सहमत हुए। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत–रूस रक्षा साझेदारी को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त सह–विकास और सह–उत्पादन के लिए पुनः शुरू किया जा रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में भारतीय पक्ष ने अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ाने के लिए रूस से एस–400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेपों की खरीद में गहरी रुचि दिखाई। इसके अलावा, भारत–रूस व्यापार में भारी असंतुलन (रूस से ऊर्जा आयात अधिक) को देखते हुए रूस ने भारतीय वस्तुओं को अधिक बाजार पहुँच देने पर सहमति जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य है कि 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचाया जाए। साथ ही प्छैज्ब कॉरिडोर जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी प्रगति का संकेत मिला। साथ ही दोनों देशों ने पहलगाम और मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में हुए हमलों का संदर्भ लेते हुए आईएसआईएस, आईएसकेपी और अन्य वैश्विक आतंकी नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ''जीरो टॉलरेंस'' नीति और ''दोहरे मानदंडों को अस्वीकार'' करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, पुतिन ने भारतदृरूस मैत्री को ''साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे'' जैसे भारतीय कथन से अभिव्यक्ति दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से दिये गये राजकीय भोज में भारतीयदृरूसी संगीत और विविधा व्यंजनों ने सांस्कृतिक जुड़ाव को भी प्रकट किया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई कश्मीरी केसर, असम की चाय और गीता जैसी भेंटें इस साझेदारी की भावनात्मक गहराई को दर्शाती हैं। देखा जाये तो रूसी राष्ट्रपति की यह यात्रा दर्शाती है कि भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला नहीं बल्कि सह–निर्माण और सह–विकास करने वाला रणनीतिक साझेदार बन चुका है। इसके तीन प्रमुख पहलू विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। पहला है रक्षा सहयोग का बदलता स्वरूप। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध से लेकर 2010 तक भारतदृरूस रक्षा संबंध मुख्यतः उपकरण खरीद तक सीमित थे। इससे दो समस्याएँ जन्म लेती थीं। पहली थी स्पेयर पार्ट्स की देर से आपूर्ति और दूसरी थी तकनीकी निर्भरता। इस यात्रा के दौरान पुतिन का यह कहना कि रूस का यह मानना है कि महत्वपूर्ण पुर्जों का उत्पादन भारत में ही होना चाहिए, दोनों देशों के संबंधों में संरचनात्मक बदलाव की घोषणा है। इस बदलाव का अर्थ है लॉजिस्टिक स्वतंत्रता, 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की वास्तविक प्रगति और भारत का रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में नया कदम। देखा जाये तो रूस का यह झुकाव केवल राजनीतिक सद्भाव का परिणाम नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक भू–राजनीति की जरूरत भी है। रूस को पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भरोसेमंद बाजार चाहिए, वहीं भारत को ऐसी महाशक्ति सहयोगी चाहिए जिसकी तकनीक और रणनीतिक लचीलेपन से उसकी सामरिक क्षमता में वृद्धि हो। इसके अलावा, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी रक्षा। अमेरिका के दबाव के बीच रूस द्वारा निरंतर आपूर्ति का आश्वासन देने का संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में ैडत (ैउंसस डवकनसंत त्मंबजवते) और फ्लोटिंग प्लांट जैसी भविष्य की तकनीकों पर बातचीत दर्शाती है कि दोनों देश परंपरागत साझेदारी को हाई–टेक सहयोग में बदल रहे हैं। प्छैज्ब जैसे वैकल्पिक व्यापार मार्ग वैश्विक शक्ति–प्रतिस्पर्धा के युग में भारत को एक स्थलीयदृसमुद्री संतुलन प्रदान करेंगे। पुतिन की भारत यात्रा के वैश्विक प्रभावों को देखें तो सामने आता है कि यह केवल दो देशों की साझेदारी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्व राजनीति का संकेत भी है। जब अमेरिका रूस पर प्रतिबंध बढ़ा रहा है और चीन आक्रामक उभार पर है, तब भारतदृरूस समीकरण एक स्थिर धुरी की तरह उभर रहा है। ठत्प्ब्ै में 2026 में भारत की अध्यक्षता के साथ यह साझेदारी वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर नए संतुलन बना सकती है।

साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो केवल ै̃ν–30, डपळ, या टैंक आयात करे, अब वह निर्माण, सह–विकास और निर्यात की दिशा में बढ़ रहा है। रूस द्वारा पहली बार तीसरे देशों को संयुक्त निर्यात का प्रस्ताव इस परिवर्तन की पुष्टि करता है। इससे भारत के रक्षा उद्योग का विस्तार होगा, रोजगार और तकनीकी क्षमता बढ़ेगी और भारत एक 'टेक्नोलॉजी टेकर' से 'टेक्नोलॉजी पार्टनर' बनेगा। बहरहाल, पुतिन की यह यात्रा भारत–रूस रिश्तों के तीसरे युग की शुरुआत है, जहाँ रक्षा, ऊर्जा, परमाणु, आतंकवाद–रोधी सहयोग और व्यापार, सब एक संयुक्त उत्पादनदृनिर्माण मॉडल में बंध रहे हैं। वैश्विक शक्ति संतुलन के दौर में यह साझेदारी भारत को रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी उन्नयन और बहुध्रुवीय विश्व में प्रभाव बढ़ाने में सक्षम बनाती है।

.... विविध/स्वास्थ्य ....

बच्चों को दे रहे हैं फोन तो ये स्टडी पढ़कर सन्न रह जाएंगे आप

आजकल बच्चों को कम उम्र में स्मार्टफोन देना आम हो गया है। एक नई स्टडी में इस बात का खुलासा हुआ है कि कम उम्र के बच्चों के हाथ में स्मार्टफोन देने से उनके सेहत पर कई नकारात्मक असर पड़ते हैं। अमेरिका के एबीसीडी स्टडी के तहत 10,000 से अधिक बच्चों पर किए गए इस व्यापक शोध में पाया गया कि जिन बच्चों को 12 साल की उम्र से पहले अपना पहला स्मार्टफोन मिला, उनमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम काफी ज्यादा बढ़ गया। स्मार्टफोन बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को धीरे–धीरे खराब कर रहा है। शोध में बताए गए आंकड़ों के अनुसार, 12 साल से कम उम्र में फोन पाने वाले बच्चों में नींद की समस्याओं का जोखिम 60:, मोटापे का 40: और डिप्रेशन (अवसाद) का जोखिम 30% अधिक पाया गया। यह डेटा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि बच्चों को स्मार्टफोन देना केवल एक सुविधा नहीं है, बल्कि यह उन्हें गंभीर बीमारियों के बुलावे जैसा है। इन परिणामों को नजरअंदाज करना उनके भविष्य के स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है।

मानसिक विकास पर नकारात्मक असर

12 साल की उम्र बच्चों के मानसिक विकास के लिए एक बेहद संवेदनशील अवधि होती है। इस दौरान सोशल मीडिया पर दूसरों से लगातार तुलना, साइबर बुलिंग और किसी भी सामाजिक गतिविधि से छूट जाने का डर यानी फोमो FOMO मानसिक तनाव को कई गुना बढ़ा देते हैं। कम उम्र में लगातार स्क्रीन एक्सपोजर बच्चों के प्राकृतिक सामाजिक और भावनात्मक विकास को भी बाधित करता है।

स्लीप साइकिल और ब्लू लाइट का प्रभाव

स्क्रीन टाइम बढ़ने का सीधा असर बच्चों की नींद की गुणवत्ता पर पड़ता है। स्मार्टफोन और टैबलेट से निकलने वाली ब्लू लाइट मस्तिष्क में मेलाटोनिन के उत्पादन को दबा देती है। इससे उनका नेचुरल स्लीप साइकिल बिगड़ जाता है, जिसके कारण बच्चों को नींद न आने की समस्या और एकाग्रता की कमी का सामना करना पड़ता है।

शारीरिक गतिविधि में कमी और मोटापा

स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से बच्चों की शारीरिक गतिविधि कम हो जाती है। बच्चे बाहर खेलने या सक्रिय रहने के बजाय स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। शारीरिक श्रम की कमी और निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे का कारण बनती है। मोटापा अपने आप में डायबिटीज और हृदय रोग सहित कई अन्य बीमारियों के जोखिम को बढ़ाता है।

माता–पिता के लिए विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों का स्पष्ट सुझाव है कि बच्चों को पर्सनल स्मार्टफोन देने के लिए कम से कम 12 साल की उम्र तक इंतजार करना चाहिए।

शुरुआती दौर में, उन्हें केवल इमरजेंसी के लिए इंटरनेट के बिना बेसिक फोन दिया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण नियम है नो–फोन इन बेडरूम यानी सोते समय स्मार्टफोन को बेडरूम से दूर रखना, ताकि उनकी स्लीप साइकिल बाधित न हो।

सुबह की ताकत और सर्दी से सुरक्षा

सर्द हवाओं से शरीर अपनी कोमलता खो देता है और सुस्ती महसूस करता है। ऐसे में सर्दियों में उस एक चम्मच च्यवनप्राश, गुनगुने दूध के साथ आयुर्वेदिक दवाई हो जाता है। पुराने आयुर्वेदिक ग्रंथों से निकला यह हर्बल मिश्रण, सिर्फ स्वाद नहीं, शुद्ध स्वास्थ्य की गारंटी देता है। खुद की रसोई में आंवले की खटास, शहद की मिठास और जड़ी–बूटियों की सुगंध से रोग प्रतिरोधी मिश्रण बनता है। वैसे तो बाजार में कई विकल्प मौजूद हैं, फिर भी सैकड़ों वर्षों पुरानी इस जैविक विधा को घर पर बनाकर शरीर को असली ताकत और रोग प्रतिरोधी क्षमता दे सकते हैं। बिना मिलावट, बिना शॉर्टकट और शुद्ध चमनप्राश घर पर बनाने की विधि यहां बताई जा रही है।

घर पर च्यवनप्राश कैसे बनाएं?

एक किलो ताजा आंवला धोकर प्रेशर कुकर में दो सीटी दें। ठंडा होने पर बीज निकालकर पल्प बना लें।

चुनी हुई सूखी जड़ी–बूटियों जैसे पिप्पली, गुडुची और अश्वगंधा आदि 1 लीटर पानी में 1–2 घंटे धीमी आंच पर उबालें, जब तक पानी लगभग आधा न रह जाए। फिर इसे छलनी या मलमल से छान लें। यही आपकी हर्बल शक्ति होगी।

एक भारी तले की कढ़ाई में आंवला पल्प और हर्बल डेकोक्शन मिलाएं। फिर गुड़ या चीनी डालकर धीमी आंच पर पकाए। लगातार चलाते रहें। जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए और पैन के किनारों से अलग होने लगे, तब 4–5 चम्मच देसी घी मिलाएं।

जब मिश्रण हल्का ठंडा हो जाए, तब शहद मिलाएं। साथ ही दालचीनी, इलायची जैसे मसाले भी डालें ताकि स्वाद भी मिले और प्रभाव भी।

पूरी तरह ठंडा होने पर एयर–टाइट काँच की बोतल या जार में भर लें। यह मिश्रण महीनों तक सुरक्षित रहता है। रोजाना 1–2 चम्मच खाली पेट या गुनगुने दूध के साथ लेना अच्छा रहता है।

अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस पर घूमें भारत के खूबसूरत मगर सस्ते हिल स्टेशन

हर साल 11 दिसंबर को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्रों की अहम भूमिका को वैश्विक स्तर पर रेखांकित करना है। हम सभी को ये अच्छी तरह से समझने की जरूरत है कि पहाड़ न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, बल्कि जल स्रोतों, जैव विविधता और मानव जीवन के लिए भी बेहद जरूरी हैं। ऐसे में हर साल अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के जरिए लोगों का ध्यान पर्वतों से जुड़ी चुनौतियों और उनके संरक्षण की जरूरत की ओर आकर्षित किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न देशों में जागरूकता कार्यक्रम, चर्चा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पहाड़ों को सुरक्षित रखा जा सके। मौका जब अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का हो, तो आपके लिए ये जानना जरूरी हो जाता है कि भारत में ऐसे कौन से हिल स्टेशन हैं, जो बेहद सस्ते माने जाते हैं। अगर आपा चाहें तो अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के मौके पर इन जगहों पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

1. मनाली, हिमाचल प्रदेश

मनाली भारत का सबसे मशहूर हिल स्टेशन है, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, रोहतांग पास, सोलांग वैली और एडवेंचर स्पोर्ट्स इसकी लोकप्रियता बढ़ाते हैं। यहां बजट होटल, होमस्टे और लोकल फूड काफी किफायती मिल जाते हैं, जिससे कम खर्च में भी यात्रा संभव है।

2. मसूरी, उत्तराखंड

मसूरी को ष्क्वीन ऑफ हिल्सष कहा जाता है और ये दिल्ली–उत्तर भारत के यात्रियों की पहली पसंदों में से एक है। गन हिल, कैम्प्टी फॉल और मॉल रोड जैसी जगहें काफी प्रसिद्ध हैं। यहां बजट से लेकर लग्जरी तक हर तरह के ठहरने के विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे यह हर प्रकार के ट्रैवलर के लिए उपयुक्त है।

3. दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल

दार्जिलिंग अपनी चाय बगानों, टाइगर हिल सनराइज और टॉय ट्रेन के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां लोकल गेस्ट हाउस और छोटे होटल काफी बजट–फ्रेंडली होते हैं। सुंदर मौसम, शांत शहर और हिमालय के दृश्य इसे एक लोकप्रिय पहाड़ी गंतव्य बनाते हैं।

4. शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला सबसे ज्यादा घूमा जाने वाला हिल स्टेशन है, जहां परिवार, कपल और दोस्तों के लिए खूब सुविधाएं उपलब्ध हैं। मॉल रोड, कुफरी और जाखू मंदिर इसके मुख्य आकर्षण हैं। यहां बस से पहुंचना आसान और स्टे तथा खाना काफी किफायती मिलता है, जिससे यह बजट ट्रैवल के लिए भी अच्छा विकल्प है।

5. नैनीताल, उत्तराखंड

नैनीताल अपनी खूबसूरत नैनी झील के लिए प्रसिद्ध है, जहां बोटिंग और झील के किनारे घूमने का अनुभव हर किसी को पसंद आता है। यहां किफायती होटल और ढाबे बड़ी संख्या में मौजूद हैं। स्नो व्यू पॉइंट, चिड़ियाघर और कई व्यू पॉइंट इसे हर उम्र के लोगों के लिए आकर्षक बनाते हैं।

6. ऊटी, तमिलनाडु

ऊटी दक्षिण भारत का जाना–माना हिल स्टेशन है, जहां चाय के बागान, ऊटी लेक और नीलगिरि माउंटेन रेलवे आकर्षण हैं। यहां ठहरने और घूमने के कई बजट विकल्प मिलते हैं, और मौसम सालभर सुखद रहता है। हर तरह की यात्रा के लिए ऊटी एक शानदार जगह है।

नौकरशाही में बड़ा बदलाव, अर्पणा समेत चार आईएएस अधिकारी बनेंगे प्रमुख सचिव

लखनऊ, संवाददाता। यूपी काडर के 2001 बैच के चार आईएएस अधिकारी शशि भूषण लाल सुशील, अजय कुमार शुक्ला, अपर्णा यू व एसवीएस रंगाराव प्रमुख सचिव बनेंगे। इसके अलावा 2010 बैच के 20 आईएएस अधिकारियों को विशेष सचिव से सचिव के पद पर पदोन्नति दी जाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में इन अधिकारियों को पदोन्नति देने के लिए डीपीसी हो चुकी है और एक जनवरी से पदोन्नति आदेश प्रभावी होगा। उत्तर प्रदेश में हर साल दिसंबर में आईएएस अफसरों को पदोन्नति देने के लिए डीपीसी होती है। इसमें 25 साल की बेदाग सेवा करने वाले आईएएस अधिकारियों को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नति दी जाती है। इस साल 2001 बैच के आईएएस अफसरों को पदोन्नति प्रमुख सचिव के पद पर मिलेगी। डीपीसी में देवीपाटन मंडल के मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील, सचिव नगर विकास अजय कुमार शुक्ला, सचिव चिकित्सा शिक्षा अपर्णा यू और सदस्य राजस्व बोर्ड एसवीएस रंगाराव के नामों पर विचार हुआ है। इसके अलावा 16 साल की सेवा पूरी करने वाले वर्ष 2010 बैच के 20 अफसरों को सचिव पद पर पदोन्नति देने के लिए उनके नामों पर विचार हुआ। इस बैच की दुर्गा शक्ति नागपाल ही केवल मौजूदा समय लखीमपुर में डीएम हैं। अन्य अधिकारी या तो विशेष सचिव के पद पर तैनात हैं या फिर उन्हें सचिव स्तर के पद का प्रभार देते हुए तैनाती दे दी गई है। डीपीसी में 2013 बैच वालों को सलेक्शन ग्रेड व 2017 बैच वालों को एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड पे देने के लिए एक–एक नामों पर विचार हुआ। नियुक्ति विभाग पदोन्नति संबंधी आदेश जल्द जारी करेगा, जो एक जनवरी से प्रभावी माना जाएगा।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में तेज हुआ शिक्षकों का आंदोलन

लखनऊ, संवाददाता। देश भर के बेसिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षकों का विरोध एक बार फिर तेज हो गया है। वर्तमान में चल रहे संसद सत्र को देखते हुए दो दिन सांसदों को ज्ञापन देने का अभियान चलाया गया। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) की ओर से किए गए अभियान के तहत प्रदेश में भी व्यापक रूप से ज्ञापन दिया गया। टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी, अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद, अमरोहा सांसद, राज्य सभा सांसद रामगोपाल, अलीगढ़ सांसद सतीश कुमार गौतम, मेरठ सांसद और भदोही सांसद विनोद कुमार बिंद आदि को ज्ञापन दिया गया है। इसके माध्यम से प्रदेश में 29 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को सेवारत रहने व पदोन्नति के लिए टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की मांग की गई है। इसी क्रम में जल्द ही दिल्ली आंदोलन की भी घोषणा की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से इसी मुद्दे पर 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर में होने वाले धरने को लेकर रणनीति बनाई गई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने रविवार को ऑनलाइन बैठक कर धरने की समीक्षा की। उन्होंने सभी पदाधिकारी को तैयारी पूरी करते हुए देश भर के शिक्षकों से 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले धरना प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने सांसदों का इस मामले को संसद में उठाने का आभार भी जताया है।

इसी क्रम में अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने इस मामले में केंद्र सरकार से जल्द अध्यादेश लाकर टीईटी की अनिवार्यता खत्म करने की मांग की है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा है कि जल्द इस मामले में निर्णय न होने पर संगठन दोबारा आंदोलन की घोषणा करेगा।

संक्षिप्त खबरें

एयरलाइन संचालन में मची अफरा –तफरी पर मायावती ने साधा निशाना

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि एयरलाइंस संचालन को लेकर देश भर में व्याप्त अफरा–तफरी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या, विश्व बाजार में रुपये की गिरती कीमत आदि को लेकर देश के जो वर्तमान हालात हैं, उससे पूरा देश चिंतित है। इनका समाधान डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान को आमजन के हित में सही से लागू करके ही तलाशा जाना बेहतर होगा। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि सरकारों को व्यावसायिक दृष्टिकोण त्यागकर विशुद्ध जनहित व जनकल्याण की ईमानदार नीयत से नीति, कानून एवं कार्यक्रम आदि बनाने होंगे, तभी समस्याओं से छुटकारा तथा जनहित संभव है। डॉ. भीमराव आंबेडकर देशहित के लिए आजीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और करोड़ों बहुजनों के हित, कल्याण एवं उत्थान के लिए संविधान में अनेकों अधिकार देकर कानून बनवाये, जिन पर सही से अमल जरूरी है। उन्होंने शनिवार को डॉ. आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ, नोएडा समेत अन्य राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

अयोध्या रहा प्रदेश में सबसे ठंडा

लखनऊ, संवाददाता। मौसम का मिजाज एक बार फिर से रविवार को बदल गया। न्यूनतम तापमान में एक दिन के भीतर ही तीन से पांच डिग्री सेल्सियस का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने इसकी संभावना पहले ही जता दी थी कि दो से तीन दिन तक तापमान में बढ़ोतरी जारी रहेगी और उसके बाद धीरे–धीरे न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ऐसा परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में परिवर्तन का असर दिख रहा है। जब ये दोनों पश्चिमी विक्षोभ दो से तीन दिन में गुजर जाएंगे तो धीरे–धीरे न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी। इसके अलावा अधिकतम तापमान में भी थोड़ी गिरावट आ सकती है। उन्होंने बताया कि सुबह ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और धुंध के आसार बने रहेंगे। हवा पछुआ ही चलेगी।

संजय गांधी पीजीआई में डाक्टर भीम राव आंबेडकर को श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। संजय गांधी पीजीआई में शनिवार को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के 69 वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें संस्थान के एसोसिएशन सदस्यों, कर्मचारियों और बाबा साहब के अनुयायी शामिल हुए। श्रंद्धाजलि अर्पित करने वालों में मंजू लता राव, लता सचान, अरविन्द कुमार, ब्रजमोहन, हरिवीर सिंह, कमल किशोर, अमर नाथ (उपज), ललित मोघा, राजकुमार, कुलदीप यादव, एके गौतम, पवन कुमार, प्रकाश नेगी, नंदिनी यादव, सविता, राजेश कुमार गौतम, मोनिका चौधरी शामिल रहे।

बाबू बनारसी दास वाडे में 2.05 करोड़ से होंगे जलनिकासी

लखनऊ, संवाददाता। शहर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की ओर कदम उठाते हुए महापौर सुषमा खकेवाल ने रविवार को बाबू बनारसी दास वाडे में तीन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें सड़क निर्माण, जल निकासी के कार्य शामिल हैं। पहली परियोजना के रूप में जौहरी मेहतर, गंढेय और सैनगंज क्षेत्र की विभिन्न गलियों में सीसी निर्माण कार्य एवं सुधार योजना का आधारशिला रखा गया। यह कार्य 15वें वित्त आयोग के तहत 25 लाख रुपये की लागत से होगा। इसके अलावा माता सुग्गा देवी मागे उदयगंज तिराहा से प्राथमिक विद्यालय तक की जल निकासी व्यवस्था के लिए निमोण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। 68.27 लाख रुपये की लागत से यह कार्य होगा। बारिश में जलभराव की समस्या खत्म होगी।

केजीएमयू में नान पीजी जेआर की नियुक्ति का साक्षात्कार आज

लखनऊ, संवाददाता। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री विभाग में नॉन पीजी जेआर पद पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 8 दिसंबर को होंगे। साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थी को छह दिसंबर तक आवेदन करना होगा। अभ्यर्थी को अपने सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के साथ कमेटी हाल में दोपहर डेढ़ बजे से ढाई बजे के बीच उपस्थित होना होगा।

प्रदेश के साथ कई पड़ोसी राज्यों में आलू की बंपर पैदावार ने गिराई कीमत

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में भरपूर उत्पादन और पड़ोसी राज्यों से घटी मांग ने नए आलू का भाव गिरा गया है। बाजार में थोक में करीब एक हजार रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। इससे किसानों की लागत निकलनी मुश्किल हो गई है। यही नहीं कोल्ड स्टोर में अभी पुराना आलू भी है। इससे फिलहाल दाम बढ़ने के आसार कम हैं। हालांकि, उद्यान विभाग ने सभी जिला उद्यान अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सोमवार को कोल्ड स्टोर का निरीक्षण कर आलू की उपलब्धता की स्थिति बताएं। प्रदेश में वर्ष 2024–25 में करीब 245 लाख मीट्रिक टन आलू पैदा हुआ था। इसमें से 2207 शीतगृहों में करीब 150 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण हुआ। इस वर्ष यूपी के साथ ही पंजाब, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश में भी आलू की बंपर पैदावार हुई है। इससे यूपी से पश्चिम बंगाल, आसाम और नेपाल भेजा जाने वाला आलू इस बार बहुत कम जा पाया है। ऐसे ही आगरा से इस वर्ष पाकिस्तान भी आलू निर्यात नहीं हुआ। शीतगृहों में भी बड़ी मात्रा में आलू अभी बचा है। आमतौर पर उद्यान विभाग 31 अक्तूबर तक स्टोर खाली करने का निर्देश देता है, लेकिन इस वर्ष 30 नवंबर तक का समय दिया गया। फिर भी आगरा, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद, कन्नौज आदि जिलों में करीब 10 फीसदी भंडारित आलू बचा है। इस बीच नया आलू भी बाजार में आ गया है। पुराने आलू के बचे रहने और नए आलू के बाजार में आ जाने से भाव गिर गया है। रविवार को फर्रुखाबाद में सफेद आलू का थोक भाव 900 रुपये प्रति क्विंटल रहा। हाथरस में 840, छिबरामऊ में 940, कन्नौज में 950 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

लागत निकालना हुआ मुश्किल

नवंबर 2024 में सफेद आलू औसतन 2122 रुपये प्रति क्विंटल बिका था जबकि नवंबर 2025 में ये 1274 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। अप्रैल–मई 2025 में थोक में सफेद आलू का भाव करीब 1157 से 1173 रुपये प्रति क्विंटल था। जिन किसानों ने आलू शीतगृह में रखा था उन्हें 250 रुपये शीतगृह भाड़ा, 100 रुपये का बोरा और पल्लेदारी व खेत से स्टोर तक पहुंचाने में करीब 100 रुपये प्रति क्विंटल खर्च करने पड़े। इस तरह शीतगृह में रखे आलू की कीमत करीब 1500 रुपये से अधिक पहुंच गई। दाम गिरने से किसानों की लागत निकलनी मुश्किल हो गई।

किसानों का दर्द

जिन किसानों ने आलू बीज खरीद कर बुवाई की है उन्हें दोहरा घाटा हो रहा है। बुवाई के वक्त बीज करीब ढाई से तीन हजार रुपये प्रति क्विंटल था। बुवाई, जुताई, सिंचाई और फिर खोदाई के बाद शीतगृह तक पहुंचने में खर्च अलग हुआ। अब हजार रुपये प्रति क्विंटल से कम में बेचना मजबूरी है।

पूर्वांचल में आलू प्रसंस्करण इकाइयां नहीं हैं। सिर्फ खाने में आलू की खपत होती है। यदि प्रसंस्करण इकाइयां लग जाए तो आलू ही नहीं टमाटर, शकरकंद की खेती बढ़ेगी और किसानों को फायदा मिलेगा। उद्यान विभाग को खपत के हिसाब से रणनीति बनानी चाहिए।

दिए गए हैं निर्देश

प्रदेश में पुराने आलू की उपलब्धता जांचने के लिए सभी जिला उद्यान अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

तंगी से परेशान होकर व्यापारी ने लोहे की चेन से लगाया फंदा

लखनऊ, संवाददाता। जानकीपुरम क्षेत्र में शनिवार देर रात हार्डवेयर कारोबारी रामबाबू गौड़ (55) ने आर्थिक तंगी और व्यापार में लगातार हो रहे नुकसान से परेशान होकर लोहे की चेन से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार सदमे में है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि इंदिरानगर स्थित मुंशी पुलिया निवासी रामबाबू गौड़ ने करीब एक वर्ष पहले जानकीपुरम में मौर्य भट्ठे के पास हार्डवेयर की दुकान खोली थी। दुकान न चल पाने से वह काफी समय से मानसिक तनाव में थे। शनिवार सुबह किसी बात पर रामबाबू और उनकी पत्नी सरोजिनी में कहासुनी हो गई। इसके बाद वह बिना कुछ बताए दुकान के लिए निकल गए। देर रात तक घर न लौटने पर परिजन परेशान हो रहे थे।

देर रात रामबाबू ने पत्नी को वीडियो कॉल कर आर्थिक तंगी के चलते फंदा लगाने की बात कही। यह सुनकर सरोजिनी घबरा गईं और तुरंत बेटे निर्मल को जानकारी दी। निर्मल ने दुकान के पास में रहने वाले पड़ोसियों को सूचना दी और दुकान पहुंचे। दुकान के मुख्य शटर का ताला बाहर से लगा मिला, जबकि बगल का छोटा शटर अंदर से बंद था। निर्मल और स्थानीय लोगों ने शटर का ताला तोड़ा। अंदर रामबाबू का शव पंखे से लोहे की चेन के सहारे लटका मिला। पुलिस को सूचना दी गई।

लोन की किस्तें भी नहीं कर पा रहे थे जमा

परिवार वालों ने बताया कि दुकान बिल्कुल नहीं चल रही थी। रामबाबू दुकान खाली भी कर रहे थे। इसी बीच लोन पर लिए गए घर की किस्तें भी नहीं कर पा रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रांसपोर्टनगर फिटनेस सेंटर फिर खुलेगा, मिलेगी राहत

लखनऊ, संवाददाता। ट्रांसपोर्टनगर स्थित फिटनेस सेंटर को दोबारा खोलने की तैयारी है। ऐसा होने पर ट्रांसपोर्टरों व वाहन मालिकों को सुविधा हो जाएगी। उन्हें बीकेटी स्थित एटीएस नहीं जाना होगा। इस बाबत प्रस्ताव परिवहन विभाग मुख्यालय भेज दिया गया है। हाल ही में लखनऊ का पहला निजी फिटनेस सेंटर खोला गया है। आटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) पूरी तरह निजी हाथों में है। इसके खुलने के साथ ही ट्रांसपोटेनगर स्थित विभाग के फिटनेस सेंटर को बंद कर दिया गया। जिससे वाहन मालिकों व ट्रांसपोर्टरों को वाहनों की फिटनेस के लिए बीकेटी की दौड़ लगानी पड़ रही है। ऐसे में एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह के साथ ट्रांसपोर्टरों की बैठक हुई, जिसमें ट्रांसपोर्टरों ने विभागीय फिटनेस सेंटर को दोबारा खोलने की मांग उठाई थी। इसमें दो प्रमुख मुद्दों को उठाया गया था। पहला ट्रांसपोर्टनगर से बीकेटी एटीएस की दूरी अधिक होने के कारण वाहन मालिकों को असुविधाएं हो रही हैं। दूसरा, बीकेटी एटीएस में वाहनों की फिटनेस के स्लॉट कम हैं। विभागीय फिटनेस सेंटर में जहां प्रतिदिन 120 वाहनों के लिए स्लॉट थे, वहीं बीकेटी एटीएस में यह संख्या घटकर आधी 60 रह गई है। ऐसे में इनकी संख्या कम होने से वाहन मालिकों को फिटनेस के लिए अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टरों की मांग के बावत प्रस्ताव तैयार कर विभाग भेजा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही विभागीय फिटनेस सेंटर खुल जाएगा।

ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग व टास्किंग फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश

लखनऊ, संवाददाता। साइबर क्राइम थाना, साइबर सेल और थाना देवा की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर ब्लैकमेलिंग व ऑनलाइन टास्किंग फ्रॉड करने वाले शातिर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 3 लाख 60 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राजन सिंह निवासी मोहल्ला कचेहरान कटरा, थाना देवा और अनूप कुमार निवासी अड़ौरा, थाना देवा के रूप में हुई है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने रविवार दोपहर पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह खुलासा किया। बताया कि गिरफ्तार आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए अश्लील वीडियो भेजकर लोगों को ब्लैकमेल करते थे। साथ ही वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन टास्क और निवेश पर कई गुना रिटर्न का झांसा देकर आमजन से ठगी करते थे। आरोपी पीड़ितों को स्कैनर, या फर्जी अकाउंट भेजकर रुपए ट्रांसफर कराते थे। राजन सिंह ने अपने पिता का नाम बदलकर एयरटेल पेमेंट बैंक का फर्जी खाता भी खोला था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने गुजरात और उड़ीसा के दो लोगों से साइबर ठगी की है। गुजरात के पीड़ित ने हेल्पलाइन नंबर 1930 के जरिए शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस इनके फरार साथियों यशराज सिंह व सिद्धार्थ तिवारी की तलाश में दबिश दे रही है और गिरोह के बैंक खातों व अन्य सदस्यों की गतिविधियों की जांच कर रही है।

14 से 22 दिसंबर तक चलेगा सघन पल्स पोलियो अभियान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के 33 जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक शून्य से पांच वर्ष की उम्र वाले 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया जाएगा। लखनऊ सभी 33 जिलों में इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर बच्चों को पोलियोरोधी ड्राप पिलाएंगी। प्रदेश 15 वर्ष पहले ही पोलियो मुक्त हो चुका है। राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था, लेकिन पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो संक्रमण बना हुआ है। प्रदेश में दोबारा संक्रमण का खतरा न हो, इसलिए हर वर्ष चिन्हित जिलों में पल्स पोलियो अभियान चलाया जाता है। केंद्र सरकार की ओर से चयनित 33 जिलों में इस बार 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है। अभियान के पहले दिन 44,726 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। इसके बाद 14 से 22 दिसंबर के बीच 29,360 टीमें और 10,686 पर्यवेक्षक घरदृघर जाकर सभी पात्र बच्चों को दवा पिलाएंगे।

अभियान के तहत दूरस्थ क्षेत्रों, बस–टैक्सी स्टैंड, रेलवे स्टेशन और ईंटदृभट्ठों में बच्चों तक पहुंचने के लिए 2,750 ट्रांजिट टीमें और 1,746 मोबाइल टीमें तैनात रहेंगी। घुमंतू, मलिन बस्तियों, ईंटदृभट्ठों, निर्माण स्थलों और फैक्ट्रियों में रह रही आबादी पोलियो संक्रमण के प्रसार के प्रति अधिक संवेदनशील मानी जाती है। इसी कारण प्रदेश के 16,194 घुमंतू एवं प्रवासी क्षेत्रों में 4,60,489 परिवारों को चिन्हित किया गया है। सीमा क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए नेपाल बॉर्डर पर 30 टीकाकरण पोस्ट स्थापित किए गए हैं। साथ ही पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नाइजीरिया, सोमालिया, सीरिया, कैमरून, केन्या और इथियोपिया जैसे पोलियो प्रभावित देशों से आने जाने वाले सभी यात्रियों को भी सावधानीपूर्वक पोलियो वैक्सीन दी जा रही है। फरवरी 2014 से अक्टूबर 2025 के बीच 1,87,203 यात्रियों को खुराक से आच्छादित किया जा चुका है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डा. अजय गुप्ता ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' अवश्य पिलाएँ और प्रदेश को पूरी तरह सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग दें।

कफ सिरप कांड के आरोपी बर्खास्त सिपाही का करीबी निकला जेल वार्डर, किया गया निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। चर्चित कफ सिरप कांड के आरोपी एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के करीबी जेल वार्डर महेंद्र निकला। अब उसको निलंबित कर दिया गया है। डीजी जेल पीसी मीना के आदेश पर शनिवार रात यह कार्रवाई की गई है। रविवार को जेल प्रशासन ने आरोपी जेल वार्डर के घर पर निलंबन आदेश को चस्पा कर दिया है। वहीं, जेल वार्डर के खिलाफ कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है। अंबेडकरनगर निवासी जेल वार्डर महेंद्र प्रताप सिंह की तैनाती राजधानी की जेल आदर्श कारागार (मॉडल जेल) पर है। सूत्रों के मुताबिक महेंद्र एक बाहुबली पूर्व सांसद का नजदीकी है। पूर्व सांसद का दाहिना हाथ कहे जाने वाले आलोक सिंह से भी अच्छे रिश्ते हैं। आलोक इस समय मॉडल जेल से सटी जिला जेल में बंद हैं। सिरप कांड के सरगना शुभम जायसवाल के साथ महेंद्र की फोटो और वीडियो शनिवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुई। मामले का संज्ञान लेकर डीजी जेल ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मॉडल जेल के प्रभारी अधीक्षक राजेश पांडेय ने आरोपी के खिलाफ निलंबन की संस्तुति करते हुए मुख्यालय को पत्र लिखा। वरिष्ठ अधीक्षक मुख्यालय शशिकांत सिंह ने रात में ही आरोपी जेल वार्डर को निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश में अफसर ने लिखा है,कि जेल वार्डर महेंद्र पर आरोप है उनकी पत्नी के बैंक अकाउंट में सिरप कांड के आरोपी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह ने लाखों का लेनदेन किया है। साथ ही यह भी आरोप है कि आरोपी गिरोह की 9777 सीरीज वाली सफेद लग्जरी एसयूवी से चलते हैं। वरिष्ठ अधीक्षक का कहना है कि कफ सिरप कांड के मुख्य आरोपी से जेल वार्डर के संपर्क और संभावित सहायता को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्रकरण की जांच की जा रही है। मामले की तह तक पहुंचने के लिए विभागीय जांच तेज कर दी गई है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निलंबित जेल वार्डर का बाहुबलियों से पुराना नाता

बाहुबलियों से निलंबित जेल वार्डर महेंद्र का पुराना रिश्ता है। जिला जेल उन्नाव में तैनाती के दौरान वह पूर्व बाहुबली विधायक कुलदीप सिंह सेंगर का करीबी रहा है। सेंगर के जेल जाने के बाद उसकी नजदीकी पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद से बढ़ गई थी। देखते ही देखते वह उनका भी करीबी बन गया। फेसबुक व इंस्टाग्राम पर पूर्व सांसद, आलोक सिंह, शुभम जायसवाल व अमित सिंह टाटा के साथ तेजी से रील्स वायरल हो रही है।

बेपटरी हुई विमान सेवा, एयरपोर्ट पर मेला जैसा नजारा, रद्द के साथ डायवर्ट भी किए गए विमान

लखनऊ, संवाददाता। विमानों का निरस्तीकरण पांचवें दिन भी बरकरार रहा। कुछ विमानों का संचालन हुआ। पर रविवार को लखनऊ आने–जाने वाली 33 उड़ानें निरस्त रहीं तथा दिल्ली से आने वाली फ्लाइट कोलकाता डायवर्ट कर दी गई, जिससे यात्रियों की समस्याएं जमीन पर नहीं उतर पा रही हैं। उनकी परेशानियां बनी हुई हैं। 740 टिकट यात्रियों ने कैंसिल करवाए। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विमानों का संचालन पिछले कई दिनों से बाधित चल रहा है। इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानें निरस्त होने से हवाई यातायात लगभग चौपट हो गया है। रविवार को विमानों से होने वाली दुश्वारियां बरकरार रहीं। अमौसी एयरपोर्ट पर बलरामपुर से आईं दो सगी बहनों को जब फ्लाइट निरस्त होने की सूचना मिली तो वे हताश हो गईं। एक फूट–फूटकर रोने लगीं। उनका भाई ड्रॉप करने के बाद वापस लौट चुका था, ऐसे में वापसी को लेकर बहनें परेशान थीं। विमानों की देरी व निरस्तीकरण से यात्रियों की नाराजगी भी बढ़ी, जिससे उन्होंने हंगामा किया। गोरखपुर निवासी कपिल यादव को कनेक्टिंग फ्लाइट से अबूधाबी जाना था, लेकिन लखनऊ से मुंबई की फ्लाइट कैंसिल होने से उनके आगे के सफर खराब हो गया।

वहीं लखनऊ निवासी अरविंद कुमार ने दिल्ली जाने से पहले कई बार इंडिगो से टिकट कन्फर्म कराया, लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने पर फ्लाइट निरस्त होने की खबर से उनकी नाराजगी बढ़ गई। लगातार उड़ानें रद्द होने से यात्रियों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कई लोग होटल, टैक्सी और दोबारा टिकट के भारी खर्च से भी जूझ रहे हैं। मामले में डीजीसीए से तत्काल हस्तक्षेप की मांग यात्रियों ने की है। लोगों का कहना है कि बिना पूर्व सूचना फ्लाइट रद्द करना यात्रियों के साथ अन्याय है और एयरलाइंस की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

लखनऊ की उड़ान कोलकाता डायवर्ट

विमानों के निरस्तीकरण के बीच रविवार को दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई–1720 को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। इससे यात्रियों को दिक्कतें हुईं। सोशल मीडिया पर यात्रियों ने शिकायतें दर्ज कराईं। इसी क्रम में लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की एआई–1821 डेढ़ घंटे, एयर इंडिया की ही एआई–2170 पौने दो घंटे लेट रही। जबकि दिल्ली से लखनऊ आने वाली एआई–1720 दो घंटे लेट रही। लखनऊ से मुंबई जाने वाली अकासा एयर की क्यूपी–1526 पौन घंटे व मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई–6937 दो घंटे देरी की शिकार हुई।

वक्फ संपत्तियों का डिजिटली करण, आखिरी दिन बढ़ी रफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। पूर्वांचल के गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर जिलों में वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण ने आखिरी दिन रफ्तार पकड़ी, लेकिन इसकी सत्यापन की प्रक्रिया बेहद सुस्त रफ्तार में चल रही है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार हजारों वक्फ संपत्तियां आज भी जांच और स्वीकृति के स्तर पर अटकी हुई हैं। गोरखपुर में अब तक कुल 725 संपत्तियों को अपलोड करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। शुक्रवार को सिर्फ आखिर दिन शाम सात बजे तक 268 से ज्यादा संपत्तियां को ब्यौरा अपलोड किया गया है। गोरखपुर की बात करें तो शुक्रवार दोपहर तक जिले में कुल 966 में से 725 वक्फ संपत्तियां अब तक अपलोडिंग की प्रक्रिया में आ चुकीं थीं या फिर अपलोड की जा चुकी हैं। वहीं 127 संपत्तियों की अपलोडिंग प्रक्रिया शुरू की गई। इनमें से 100 ही अप्रूवल की के लिए भेज दी गई है। बस्ती में कुल 743 संपत्तियां अपलोडिंग की प्रक्रिया में हैं, जिसमें 120 मामलों में प्रक्रिया शुरू हुई है। सिद्धार्थनगर में कुल 594 संपत्तियों में से 92 की प्रक्रिया अभी शुरू हुई है। संतकबीरनगर में प्रक्रियाधीन 776 संपत्तियों में से 140 पर प्रक्रिया शुक्रवार को आगे बढ़ी है। इसी तरह महराजगंज जिले में कुल 276 वक्फ संपत्तियां इनिशिएट की गईं हैं। यहां 21 मामलों में नई प्रक्रिया शुरू की गई है। देवरिया में 826 संपत्तियां प्रक्रिया में हैं, जहां 120 पर अपलोडिंग प्रक्रिया शुरू हुई। वहीं, कुशीनगर जिले में आखिरी दिन 454 वक्फ संपत्तियां प्रक्रिया में आ गईं हैं। इसमें से 123 मामलों में अभी प्रक्रिया शुरू हुई है। बड़ी संख्या में प्रकरण अभी भी जांच और अनुमोदन के स्तर पर अटके हुए हैं।

शिया वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण बेहद सुस्त

शिया वक्फ बोर्ड की की प्रगति रिपोर्ट भी अच्छी नहीं है। गोरखपुर–बस्ती मंडल में वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की रफ्तार बेहद धीमी है। गोरखपुर में 10 अपलोडिंग प्रक्रिया में हैं, इसमें से किसी को स्वीकृति नहीं मिली है, जबकि एक को रिजेक्ट कर दिया गया है। इसी तरह बस्ती में 12 में से किसी को भी मंजूरी नहीं मिली है। देवरिया में 8 में से एक अस्वीकृत कर दी गई है। महाराजगंज में पांच, संतकबीर नगर में 11, सिद्धार्थनगर में 2 वक्फ संपत्तियां अपलोड की गई हैं, लेकिन इनमें से किसी को स्वीकृति नहीं मिली है। जबकि कुशीनगर में एक वक्फ संपत्ति दर्ज की गई है।

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को अपलोड करने की रफ्तार शुरू में तो काफी सुस्त रही। लोगों तारीख बढ़ने की उम्मीद में रजिस्ट्रेशन कराने से कतराते हैं। मगर जब आखिरी तारीख नजदीक आई और समय–सीमा बढ़ने की उम्मीद टूट गई तो लोगों ने पोर्टल पर फॉर्म को अपडेट करने का सिलसिला तेज कर दिया। छह जून से शुरू हुई

सीओ सदर ने पैदल गस्त कर चलाया वाहन चेकिंग अभियान

अयोध्या। रविवार की शाम सीओ सदर अरविंद सोनकर ने थाना महाराजगंज क्षेत्र में पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील किया कि आगामी शीतकालीन तथा कोहरे को देखते हुए भारी वाहन चालक के साथ–साथ हल्के वाहन चालक अपने–अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर का प्रयोग करें। इसके साथ ही साथ वाहनों के सामने फॉग लाइट का प्रयोग करें। जिससे कि सामने से आ रही वाहनों से दुर्घटना होने से बचा जा सके।इस मौके पर उन्होने वाहन चेकिंग के दौरान उन दुकानदारों को सचेत किया कि जिनके सामने अतिक्रमण किए हुए कई वाहन वहां खड़े थे।उन्होंने सभी दुकानदारों को सड़क से हटकर ही अपने अपने तथा ग्राहकों को वाहनों को खड़ा कारण नहीं तो उनके वाहनों का चालान

किया जाएगा।पैदल गस्त करते समय उन्होंने उन वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही किया जो यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए पाए गए।बिना हेलमेट तथा चार पहिया वाहनों को चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग न करने वाले वाहन चालकों का चालान भी किया। बताया कि यह अभियान विभिन्न थाना क्षेत्र में लगातार आगे भी चलाया जाएगा।इस मौके पर थाना अध्यक्ष महाराजगंज राजेश सिंह के अलावा अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

यातायात पुलिस ने तीन दर्जन से अधिक काली फिल्म लगी वाहनों का किया चालान

अयोध्या। शनिवार एसपी यातायात एपी सिंह के नेतृत्व में कल फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।जिसमें तीन दर्जन से अधिक काली फिल्म लगे वाहनों का चालान किया

गया।इस संबंध में एसपी ट्रैफिक एपी सिंह ने बताया कि यह अभियान लंगर वीर चौराहा,साकेत बाईपास सहित अन्य चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहनों पर लगाए गए काली फिल्म (ब्लैक फिल्म) के विरुद्ध प्रभावी एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।इस मौके पर यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव यातायात निरीक्षक कृष्ण कुमार सिंह यातायात निरीक्षक विनय पांडे यातायात निरीक्षक अवनीत ओझा के अलावा अन्य यातायात कर्मी शामिल रहे।

पांच फिट जमीन के लिए एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी से हत्या

महराजगंज, संवाददाता। जिले के भिटौली थाना क्षेत्र में भैसा गांव में रास्ते के विवाद को लेकर रविवार को देर शाम दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के विनोद तिवारी पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद गांव में तीन थानों की पुलिस के साथ एएसपी पहुंचे। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार, विनोद तिवारी और बैजनाथ वर्मा के बीच रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इन दोनों के लोगों के घर के बीच में करीब पांच फीट के रास्ते का विवाद है। इसको लेकर अक्सर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होती थी। रविवार की शाम को भी यही हुआ। दूसरे पक्ष ने नोकझोंक से नाराज होकर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। लहुलूहान हालत में विनोद को सीएचसी परतावल ले जाया गया। जहां से डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। सीएचसी परतावल के डॉक्टर का कहना है कि आने से पहले ही विनोद तिवारी की मौत हो चुकी थी। एडिशनल एसपी सिद्धार्थ ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। प्रत्येक हलचल पर नजर रखी जा रही है। तहरीर के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को कब्जे में लिया गया है।

श्रद्धालुओं को गोरखनाथ मंदिर पहुंचाएगी सिटी बस–रेलवे स्टेशन से भी सीधे चलेगी बसें

गोरखपुर, संवाददाता। मकर संक्रांति के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने के लिए सिटी बस सेवा की विशेष व्यवस्था की जा रही है। शहर में चल रही सभी 25 सिटी बसें अपने निर्धारित मार्गों से होते हुए गोरखनाथ मंदिर के निकट तक श्रद्धालुओं को पहुंचाएंगी, ताकि दूर–दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। रेलवे बस स्टेशन से भी सिटी बसें सीधे मंदिर तक श्रद्धालुओं को लेकर जाएंगी। गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट के अधिकारियों की ओर से रूटों में समायोजन को लेकर तैयारियां तेज हैं। सिटी बस सेवा के वरिष्ठ स्टेशन इंचार्ज किशन जायसवाल ने बताया कि खिचड़ी मेले को देखते हुए सिटी बसें 13 जनवरी से विशेष व्यवस्था के तहत चलाई जाएंगी। मकर संक्रांति पर देवरिया, कुशीनगर, पड़रौना, महाराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थनगर सहित गोरखपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों– गोला, कैंपियरगंज, सिकरीगंज, पिपराइच, चौरीचौरा आदि से गोरखनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए परिवहन निगम 450 अतिरिक्त बसें संचालित करेगा। कम भीड़ वाले क्षेत्रों से बसें हटाकर उन्हें भीड़ वाले रूटों पर लगाया जाएगा। ये बसें 13 से 16 जनवरी तक चलेंगी। भीड़ की स्थिति के अनुसार आगे बसों की संख्या में बदलाव किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह ने बताया कि सिटी बसों को भी इस दौरान सेवा में शामिल किया जाएगा, ताकि सभी श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा मिल सके।

एलटी ग्रेड भर्ती में दूसरे की जगह परीक्षा देते पकड़े गए दो युवक

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से शनिवार को आयोजित राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (एलटी ग्रेड) भर्ती परीक्षा में दो युवक दूसरे की जगह परीक्षा देते पकड़े गए। उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। परीक्षार्थियों व उनकी जगह परीक्षा देने वालों के खिलाफ सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2024 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सुबह की पाली में गणित और शाम को हिंदी विषय की परीक्षा हुई। गणित की परीक्षा में प्रयागराज के प्रयाग महिला विद्यापीठ इंटर कॉलेज केंद्र पर बिहार के सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के गांव एकपढ़ा का प्रमोद कुमार पोद्दार पकड़ा गया जो जौनपुर के शाहगंज कलांपुर निवासी प्रवेश कुमार की जगह परीक्षा दे रहा था। वहीं दूसरी पाली में हिंदी विषय की परीक्षा में कानपुर के कैलाश नाथ बालिका इंटर कॉलेज केंद्र पर जाफरपुर महावा का अमर राज सोनकर पकड़ा गया ।

पत्नी के हत्यारोपी सिपाही का सरेंडर

गोरखपुर, संवाददाता। सीआईडी में तैनात महिला हेड कांस्टेबल सरोज यादव की हत्या के मामले में भागे उसके सिपाही पति अष्टभुज कुमार यादव ने शनिवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वह वारदात के बाद करीब तीन महीने से भागा हुआ था। शाहपुर पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही थी। 27 फरवरी 2025 की रात सरोज की मौत को पहले सामान्य बताया गया था। पोस्टमार्टम में स्पष्ट वजह नहीं मिलने पर विसरा जांच के लिए भेजा गया। फॉरेंसिक रिपोर्ट में एल्युमीनियम फास्फाइड जहर की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला हत्या में तब्दील हो गया। सितंबर में शाहपुर पुलिस ने सरोज के पिता हरीलाल यादव की तहरीर पर अष्टभुज, उसकी मां और पिता पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज की थी। सरोज के पिता हरीलाल यादव ने आरोप लगाया था कि दामाद अष्टभुज का एक महिला कांस्टेबल से अवैध संबंध चल रहा था। इसे जारी रखने और आर्थिक लाभ के लिए उसने अपनी पत्नी की हत्या की साजिश रची। आरोप यह भी है कि बेटी की मौत के बाद अष्टभुज ने सरोज के नाम पर ली गई इंश्योरेंस की रकम भी हड़प ली। शाहपुर थाना प्रभारी नीरज राय ने बताया कि अष्टभुज कुमार यादव ने कोर्ट में सरेंडर किया है। पुलिस जल्द ही उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

कैसे उजागर हुआ हत्या का मामला

घटना के अगले दिन 28 फरवरी की रात 1रू36 बजे अष्टभुज ने सरोज के पिता को फोन कर बताया कि सरोज की तबीयत अचानक खराब हो गई है। मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट अस्पष्ट आई, लेकिन विसरा जांच में जहरीला पदार्थ मिलने पर हत्या की पुष्टि हो गई। इसके बाद पुलिस हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

13 साल पहले हुई थी दोनों की शादी

सरोज की शादी 11 दिसंबर 2013 को अष्टभुज से हुई थी। अष्टभुज मूलरूप से कुशीनगर के मगडीहा का निवासी है, और यूपी पुलिस में हेड कांस्टेबल था।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर बिना कागजात के पाये गये वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

अयोध्या। रविवार को शहर के विभिन्न चौराहों व मार्गो शहर के महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने अपने कार्यालय से चौक घंटाघर तक तथा फतेहगंज रोड पर पैदल गस्त किया। इस मौके पर उन्होंने अखबार का अतिक्रमण किए हुए अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसा और संबंधित दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा मार्ग पर अवैध रूप से गाड़ियां ना खड़ी हो।इस मौके पर उन्होंने अपनी टीम के साथ संदीप अवस्था में दिखाई दिए वाहनों का चेकिंग अभियान भी चलाया।जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट लगाये।उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ

आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए। सभी वाहन चालकों तथा दुकानदारों से अपील किया कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करें।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना, प्रिया,श्वेता सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही

विद्युत सखी से बैंक सखी तक अयोध्या की महिलाओं की कमाई पहुँची 15-20 हजार महीना

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा संचालित दीन दयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने अयोध्या जिले की हजारों महिलाओं की जिंदगी को नई दिशा दी है।जिले में अब तक तीन हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह गठित हो चुके हैं, जिनसे जुड़कर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं,बल्कि घर–परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला मिशन प्रबंधक सरिता वर्मा ने बताया कि पहले जहां ये महिलाएं चूल्हा–चौका और घर–गृहस्थी तक ही सीमित रहती थीं, वहीं आज वे समूह की बैठकों में हिस्सा लेती हैं, बैंक खाते संचालित करती हैं, छोटे–छोटे व्यवसाय चला रही हैं और अपने फैसले खुद ले रही हैं। मुद्रा लोन, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड और रिवॉल्विंग फंड जैसी योजनाओं का लाभ लेकर ये महिलाएं कुटीर उद्योग, पशुपालन, किराना दुकान, सिलाई केंद्र, अगरबत्ती निर्माण जैसे अनेक कार्य कर रही हैं।योगी सरकार की विशेष पहल पर अयोध्या जिला अब प्रदेश में सबसे अधिक सक्रिय समूहों वाला जनपद बन चुका है। यहां सबसे ज्यादा महिलाएं "सखी" (समूह की सक्रिय सदस्य) के रूप में जुड़ी हैं। सरकार द्वारा समूहों को 15 हजार से 2.50 लाख तक का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड, बैंक लिंकेज और प्रशिक्षण निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम और सरस आजीविका मेला जैसी योजनाएं भी इन महिलाओं को बड़ा बाजार और नई तकनीक से जोड़ रही हैं। रुदौली, मवई, सोहावल और बीकापुर जैसे ब्लॉकों में तो सैकड़ों समूह ऐसे हैं जिनकी महिलाएं अब लाखों रुपए का सालाना कारोबार कर रही हैं। एक समूह की औसत मासिक बचत 15–20 हजार तक पहुंच चुकी है। कई समूह तो अब क्लस्टर और प्रोड्यूसर कंपनी के रूप में भी पंजीकृत हो चुके हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप यह योजना केवल आर्थिक सशक्तीकरण तक सीमित नहीं है। समूह की महिलाएं गांव की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचा रही हैं और स्वच्छता, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। योगी सरकार की इस दूरदर्शी नीति का ही नतीजा है कि आज अयोध्या की वो माताएं–बहनें जो कभी घर की चारदीवारी तक सिमटकर रह गई थीं, अब आत्मविश्वास के साथ कहती हैं –हमारा भाग्य अब हमारे हाथ में है। दीन दयाल अंत्योदय योजना ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति बदली है, बल्कि उन्हें नया सम्मान और नई पहचान भी दी है।मिल्कीपुर के शाहगंज की पूनम पांडे एक विद्युत सखी है। वह 2021 में इस योजना से जुड़ी। उन्होंने बताया कि वह विद्युत विभाग के कैंपों में भी जाती हैं। क्षेत्रीय कार्यालय में भी बैठती है। शुरुआत के दिनों में थोड़ी तकलीफ हुई, लेकिन अब उपभोक्ता आते हैं उनको हम बिल बिल जमा करने के लिए कहते हैं या फिर जमा करवाते हैं कई बार उपभोक्ता लापरवाही कर जाते हैं और उनका विद्युत कनेक्शन कट जाता है। बिजली का बिल जमा करवाने पर हमें उसका कमीशन मिलता है। 15 से 20 हजार की आय हो जाती है। पूनम ने बताया कि उनके पति बाहर रहकर नौकरी करते हैं। पहले पारिवारिक स्थिति अच्छी नहीं थी, लेकिन विद्युत सखी बनने के बाद से हमारी जिंदगी संवर गई। हमारे दो बच्चों की पढ़ाई लिखाई में भी मदद मिल रही है। योगी सरकार की यह योजना साधारण नहीं है। बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ रही हैं।मिल्कीपुर के कुचेरा बाजार के मँझनाई गांव की ज्योति बैक सखी है। 2023 में वह इस योजना से जुड़ी। ज्योति ने बताया कि वह तो हाउस वाइफ थी। उनसे एक समूह सखी की मुलाकात हुई। हमें बैंक सखी से जोड़ा। इसके बाद जीवन ज्योति के नाम से ही हमने अपना 12 महिलाओं का समूह बनाया। आज समूह में सभी महिलाएं आत्मनिर्भर है। उन्हें एक अच्छी आय हो रही है। घर पर बैठने की बजाय हर मां 8 से 9 हजार की आय हो जा रही है। उनका कार्य सिर्फ इतना है।

संक्षिप्त खबरें

माघ मेले से गंगा एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भरेंगे वाहन

प्रयागराज, संवाददाता। मेरठ से प्रयागराज के बीच बन रहे देश के सबसे बड़े गंगा एक्सप्रेसवे पर माघ मेले के दौरान वाहन फर्राटा भरेंगे। एक्सप्रेसवे का काम अंतिम पड़ाव पर है। तीसरे चरण का 10 से 15 फीसदी काम ही बाकी है। वहीं शासन ने 31 दिसंबर तक एक्सप्रेसवे का काम हर हाल में पूरा करने की समय सीमा जारी कर दी है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत चौथे चरण का काम उन्नाव के आंशिक भाग से रायबरेली, प्रतापगढ़ होते हुए प्रयागराज के सोरांव स्थित जूड़ापुर दांदू तक पूरा हो गया है। गंगा एक्सप्रेसवे बनाने का काम कर रहे यूपीडा के अधिकारियों का कहना है कि तीसरे चरण के काम में थोड़ी परेशानी आने की वजह से दिसंबर में इसका निर्माण कार्य पूरा होने की संभावना है। छह लेन के एक्सप्रेसवे का निर्माण हुआ है लेकिन आवश्यकता पड़ने पर इसे आठ लेन भी किया जा सकता है। 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे का काम दो नवंबर 2022 को शुरू हुआ था। एक्सप्रेसवे के काम को चार चरणों में बांटा गया। इनमें चौथे चरण के तहत उन्नाव से प्रयागराज तक कुल 156.847 किलोमीटर का काम हो गया है। परियोजना की कुल लागत पांच हजार 626 करोड़ रुपये है।

इन जिलों व गांवों से होकर गुजरेगा एक्सप्रेसवे

गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के 12 जिलों (मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज) से होकर गुजरेगा और यह लगभग 518 गांवों को जोड़ेगा। इससे इन जिलों के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और विकास के अवसर मिलेंगे। यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक लगभग 594 किमी लंबा है और कई इंटरचेंज व सर्विस रोड के साथ छह लेन का बनाया जा रहा है।

प्रयागराज के 20 गांवों को जोड़ेगा एक्सप्रेसवे

सोरांव तहसील के पश्चिमनारा, पूरबनारा, जलियासई, सराय मदन सिंह उर्फ चांटी तरती, गिरधरपुर गोडवा, सराय भारत उर्फ होलागढ़, सराय हरीराम, परसुपुर नारी, मालापुर, फतेहपुर तालुका सहावपुर, कमलापुर जलालपुर, सरायनंदन उर्फ समसपुर, लखनपुर करन, रोही, खेमकरनपुर, सराय अर्जुन उर्फ हरिमडिला, जूड़ापुर दांदू, बारी, माधोपुर मलाक चतुरी में 15 किलोमीटर तक यह एक्सप्रेवे गुजरेगा।

ये होंगी सुविधाएं

गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रियों की सुविधा के लिए पेट्रोल पंप, रेस्टोरेंट, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन केंद्र, विश्राम स्थल, पुलिस चौकी और ई–व्हीकल चार्जिंग स्टेशन जैसी कई आधुनिक सुविधाएं रहेंगी। साथ ही इसमें 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी (शाहजहांपुर में) और औद्योगिक विकास के लिए लॉजिस्टिक्स पार्क भी बनाए जाएंगे जिससे आवागमन आसान होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शाहजहांपुर क्षेत्र से गुजरने वाले 3.5 किमी एक्सप्रेसवे को हवाई पट्टी के रूप में तैयार किया गया है। यहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन व रात दोनों समय उतर सकेंगे। लड़ाकू विमान यहां पूर्वाभ्यास भी कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। चौथे चरण के तहत सड़क निर्माण का काम पूरा हो चुका है।

एसआईआर में लापरवाही पर मंत्री नंदी ने जताई नाराजगी, बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश

प्रयागराज, संवाददाता। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने रविवार को अपने शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के एडीए कॉलोनी नैनी स्थित आरआरबी इंटर कॉलेज, नवज्योति इंटर कॉलेज, मुट्ठीगंज स्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज, डॉ. केपी जायसवाल इंटर कॉलेज मतदान केंद्र का दौरा किया। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का जायजा लिया। नैनी के एक मतदान केंद्र पर बीएलओ की शिकायत और लापरवाही सामने आने पर मंत्री नंदी ने नायब तहसीलदार को बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री ने बहादुरगंज स्थित अपने आवास पर अपना गणना प्रपत्र स्वयं भर कर बीएलओ को उपलब्ध कराया। मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। मंत्री नंदी ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान मतदाता सूची को सही, अद्यतन और पारदर्शी बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव आयोग की यह पहल लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ–साथ नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए सभी मतदाताओं से अपील है कि वे एसआईआर फार्म जरूर भरें। एक जागरूक नागरिक बन कर न केवल अपने अधिकार को सुरक्षित करें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतंत्र की नींव रखने में योगदान दें।

नैनी में मिली बीएलओ की शिकायत

मंत्री ने शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के एडीए कॉलोनी नैनी स्थित आरआरबी इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर पहुंचे तो सुपरवाइजर ने बताया कि 1135 मतदाताओं में से केवल 362 मतदाताओं के ही फार्म भर कर वापस आए हैं। नैनी स्थित नवज्योति इंटर कॉलेज मतदान केंद्र पर 60 प्रतिशत से अधिक फार्म भरे जा चुके थे, लेकिन वहां पर तैनात बीएलओ विद्युत विभाग के लिपिक निर्भय कुमार द्वारा की मनमानी की शिकायत मिली। जिन्हें बूथ संख्या 344 केदारनाथ सड़वा की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने झूठ बोलते हुए कहा कि वे जिम्मेदारी पूर्वक अपना कार्य कर रहे हैं, जबकि मतदाताओं द्वारा शिकायत की गई कि बीएलओ निर्भय कुमार मतदाताओं को भ्रमित करते हुए कहा कि अब उन्हें फॉर्म नहीं मिल सकता है। जिस पर मंत्री नंदी ने नायब तहसीलदार संध्या गोस्वामी को बीएलओ निर्भय कुमार के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। क्योंकि बीएलओ निर्भय कुमार मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।